जय भारती वन्दे भारती लिरिक्स

सर पे हिमालय का छत्र है,
चरणों में नदियाँ एकत्र हैं,
हाथों में वेदों के पत्र हैं,
देश नहीं ऐसा अन्यत्र है ।।

जय भारती ! वन्दे भारती !
जय भारती ! वन्दे भारती !

धुंए से पावन ये व्योम है,
घर घर में होता जहाँ होम है,
पुलकित हमारे रोम रोम है,
आदि-अनादि शब्द ॐ है ।।

जय भारती ! वन्दे भारती !
वन्दे मातरम ! वन्दे मातरम !

जिस भूमि पे जन्म लिया राम ने,
गीता सुनायी जहाँ श्याम ने ,
पावन बनाया चारो धाम ने,
स्वर्ग भी ना आये जिसके सामने ।।

जय भारती ! वन्दे भारती !
वन्दे मातरम ! वन्दे मातरम !

https://allbhajanlyrics.com/jai-bharati-vande-bharati-lyrics/